महंगे होंगे कैफीन युक्त एनर्जी ड्रिंक्स सरकार टैक्स बढ़ाने पर कर रही विचार

भारत में 1,207 करोड़ रुपए का है स्पोर्ट्स और एनर्जी ड्रिंक्स मार्केट

65 प्रतिशत हिस्सा एनर्जी ड्रिंक्स का।

22 प्रतिशत सालाना बढ़ रहा है एनर्जी ड्रिंक्स का मार्केट।

85 प्रतिशत हिस्सेदारी रेड बुल की, बाकी 15 प्रतिशत में दूसरी कंपनियां हैं।

नई दिल्ली 05 दिसम्बर (ए)। कैफीन युक्त एनर्जी ड्रिंक्स पर सरकार टैक्स बढ़ाने की सोच रही है। अभी इन पर 18 फीसदी जीएसटी लगता है। इसे बढ़ाकर 28 फीसदी किया जा सकता है। इसके अलावा 12 फीसदी सेस भी लग सकता है। वित्त मंत्रालय के सूत्रों ने यह जानकारी दी।

जीएसटी रेट बढ़ने और सेस के बाद एनर्जी ड्रिंक्स पर टैक्स कोल्ड ड्रिंक्स के बराबर हो जाएगा। कोल्ड ड्रिंक्स पर 28 फीसदी जीएसटी और 12 फीसदी सेस मिलाकर कुल 40 फीसदी टैक्स लगता है। जीएसटी कानून में कार जैसी लग्जरी चीजों और सिगरेट-तंबाकू जैसी नुकसानदायक वस्तुओं पर सेस लगाने का प्रावधान है। वित्त मंत्रालय के अधिकारी ने बताया कि एनर्जी ड्रिंक्स बच्चों और युवाओं की सेहत को नुकसान पहुंचाते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी इसे लेकर कई बार चेतावनी जारी कर चुका है। इसलिए इन पर ज्यादा टैक्स लगना चाहिए। उन्होंने बताया कि जीएसटी काउंसिल की अगली बैठक में इसका प्रस्ताव रखा जा सकता है। इंग्लैंड में बच्चों को एनर्जी ड्रिंक्स बेचने पर रोक की मांग सेहत को एनर्जी ड्रिंक्स से नुकसान की बात साबित नहीं हुई है। इंग्लैंड में बच्चों को इसकी बिक्री पर रोक की मांग की जा रही है। हालांकि वहां की साइंस कमेटी ने कहा है कि ऐसा कोई सबूत नहीं मिला जिसके आधार पर रोक लगे। इसका सुझाव है कि एनर्जी ड्रिंक्स के पैक पर बड़े अक्षरों में लिखा जाए कि इनसे बच्चों को नुकसान हो सकता है।

आरबीआई ने रेपो रेट में नहीं किया कोई बदलाव, 6.5 प्रतिशत पर रखा बरकरार

नयी दिल्ली, 05 दिसम्बर (ए)। आरबीआई ने अपनी क्रेडिट पॉलिसी का खुलासा कर दिया है। इस पॉलिसी का असर सीधा आम जनता पर भी पड़ेगा। आज की बैठक के दौरान आर.बी.आई ने रेपो रेट में कोई बदलाव न करने का फैसला किया है।

विश्लेषकों का कहना है कि आरबीआई की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी कच्चे तेल के दामों में कमी, खाद्य वस्तुओं की कम महंगाई और ग्रोथ के हालात को देखते हुए ये फैसला लिया, फिलहाल रेपो रेट 6.5 फीसदी बरकरार रखी गई है। पिछली क्रेडिट पॉलिसी समीक्षा के दौरान आरबीआई ने रेपो रेट होल्ड करके चौंका दिया था इस बार भी फैसले कुछ ऐसा ही आया है।

क्या होती है रेपो रेट: रेपो रेट में कटौती का सीधा असर लोन पर पड़ता है । बता दें कि रेपो रेट वह दर होती है, जिस पर बैंकों को आरबीआई कर्ज देता है। बैंक इस कर्ज से अपने कस्टमर को लोन देते हैं. अगर रिजर्व बैंक ये दर बढ़ा देता है तो सभी बैंकों को महंगा लोन मिलता है। इस वजह से वो भी कस्टमर के लिए लोन की दरों में बढ़ोतरी कर देते हैं।

जनवरी से महंगी हो जाएंगी मारुति सुजुकी की कारें

नयी दिल्ली, 05 दिसम्बर (ए)। लागत में वृद्धि और विदेशी मुद्रा विनियम दर के नकारात्मक प्रभाव से जूझ रही मारुति सुजुकी अगले महीने से अपने वाहनों के दाम बढ़ायेगी। कंपनी ने बुधवार को यह बात कही। हालांकि, कंपनी ने यह नहीं बताया है कि वाहनों की कीमत कितनी बढायी जायेगी। मारुति सुजुकी इंडिया ने शेयर बाजार को बताया, कार बनाने में इस्तेमाल होने वाले विभिन्न सामानों के दाम बढ़ने और विदेशी मुद्रा विनिमय दर का वाहन लागत पर विपरीत असर पड़ा है। इसे देखते हुये कंपनी जनवरी 2019 में विभिन्न मॉडलों के दाम में वृद्धि के माध्यम से ग्राहकों पर बढ़ी लागत का थोड़ा बोझ डालने के लिये मजबूर है।मारुति सुजुकी वर्तमान में आल्टो 800 से लेकर प्रीमियम क्रॉसओवर एक्स-क्रॉस तक की बिक्री कर रही है, जिसकी कीमत 2.53 लाख से 11.45 लाख रुपये है। इससे पहले, इसुजु मोटर्स इंडिया ने मंगलवार को जनवरी से वाहनों की कीमत में एक लाख रुपये तक की वृद्धि करने की घोषणा की थी। पिछले महीने टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने भी कहा था कि वह एक जनवरी 2019 से विभिन्न मॉडलों के दाम में चार प्रतिशत तक की वृद्धि करेगी।

रबी मौसम की उर्वरक मांग को पूरा करने के लिए तैयार : मंत्री

नयी दिल्ली, 05 दिसम्बर (ए)। सरकार ने कहा है कि वह चालू रबी सत्र में किसानों की उर्वरक मांग को पूरा करने के लिए पूरी तरह तैयार है। केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री डी वी सदानंद गौड़ा ने बुधवार को कहा कि सभी राज्यों में उर्वरकों का पर्याप्त भंडार है, जो किसी तरह के भी मुद्दे के हल को काफी है। भारत के फसल सत्र को मुख्य रूप से दो अवधियों खरीफ (जुलाई-अक्टूबर) और रबी (अक्टूबर-मार्च) में बांटा गया है। अनंत कुमार के निधन के बाद गौड़ा ने पिछले माह के मध्य में इस मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार संभाला था। वह संवाददाताओं से रबी सत्र के लिए उर्वरक की उपलब्धता पर बात कर रहे थे। आपूर्ति के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि मंत्रालय भारतीय रेलवे के साथ दैनिक आधार पर संपर्क में है, जिससे देशभर में उर्वरक की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि पिछले खरीफ सत्र में रेलवे ने काफी सहयोग दिया था। हमें आपूर्ति के लिए 250 रैक अतिरिक्त मिले थे। मंत्री ने कहा, ''उर्वरक की आपूर्ति में कोई समस्या नहीं है। हम राज्यों को करीब 50 प्रतिशत स्टॉक की अग्रिम में आपूर्ति करेंगे, जिससे किसानों को किसी तरह की समस्या नहीं हो।'' गौड़ा ने कहा कि यूरिया की अनुमानित जरूरत 155.84 लाख टन है।

चीनी उत्पादन अक्तूबर-नवंबर में 39.73 लाख टन

मुंबई 05 दिसम्बर (ए)। चीनी उद्योग के प्रमुख संगठन, भारतीय चीनी मिल संघ (इस्मा) के अनुसार देश में चालू पेराई सत्र के दौरान 30 नवंबर तक चीनी उत्पादन 39.73 लाख टन रहा। यह पिछले साल इसी अवधि की तुलना में थोड़ा अधिक है। इस्मा ने एक विज्ञप्ति में कहा कि पिछले वर्ष अक्टूबर-नवंबर में उत्पादन 39.14 लाख टन था। चीनी पेराई सत्र अक्तूबर से शुरू होता है। संगठन के अनुसार पिछले वर्ष के 450 चीनी मिलों के मुकाबले इस वर्ष अब तक 415 चीनी मिलों ने ही पेराई शुरू की है। महाराष्ट्र में, 167 मिलें चल रही हैं और 30 नवंबर तक राज्य में 18.05 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ है। यह पिछले साल के उत्पादन के मुकाबले 21 प्रतिशत अधिक है। उत्तर प्रदेश में वर्तमान में चालू 109 चीनी चीनी मिलों ने इसी दौरान 9.50 लाख टन चीनी का उत्पादन किया। पिछले वर्ष इसी दौरान राज्य में 108 मिलें ने 13.11 लाख टन चीनी का उत्पादन किया था। उ.प्र. में इस वर्ष पेराई एक पखवाड़े देर से शुरू हुई है। कर्नाटक में 30 नवंबर तक 7.93 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ। इस दौरान 63 चीनी मिलें चाल रही थीं। पिछले साल की समान अवधि में राज्य में 62 चीनी पेराई कर रही थीं और 7.02 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ था। अन्य सभी राज्यों में भी पेराई का काम धीमी गति से शुरू हो गया है।

आम्रपाली के सीएमडी ने माना-होम बायर्स के 2,996 करोड़ रुपए की हेराफेरी की

नई दिल्ली 05 दिसम्बर (ए)। आम्रपाली ग्रुप के सीएमडी ने माना कि 2,996 करोड़ रुपए दूसरी कंपनी का बिजनेस बढ़ाने में लगा दिए गए। यह जानकारी आम्रपाली ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा जेल में डालने की धमकी के बाद दी। इसी वजह से हाउसिंग प्रॉजेक्ट्स पूरा करने के लिए जरूरी रकम का अभाव हो गया और ये प्रॉजेक्ट्स लटक गए। कंपनी ने कहा कि 2,996 करोड़ रुपए के डायवर्जन का आंकड़ा मार्च 2015 तक का ही है क्योंकि उसके बाद से बैलेंसशीट अपडेट ही नहीं की गई है। गौरतलब है कि आम्रपाली के सैकड़ों हाउसिंग प्रॉजेक्ट्स हैं, जिनमें नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा के वे 170 टावर शामिल हैं जिनमें 46 हजार होम बायर्स ने निवेश कर रखा है। इन प्रॉजेक्ट्स के लिए कंपनी ने विभिन्न वित्तीय संस्थानों एवं प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के जरिए भी 4,040 करोड़ रुपये जुटाए। 2015 तक की बैलेंस शीट और कुछ कच्चे-पक्के आंकड़ों का हवाला देते हुए आम्रपाली ग्रुप ने दावा किया कि उसने इन हाउसिंग प्रॉजेक्ट्स में 10 हजार 300 करोड़ रुपए निवेश किए। आम्रपाली के सीएमडी अनिल शर्मा ने एक विस्तृत शपथपत्र (ऐफिडेविट) के जरिए कोर्ट को सभी 46 ग्रुप कंपनियों के मौद्रिक लेनदेन की जानकारी दी और कहा कि 5,980 करोड़ रुपए मॉल्स और रेजॉर्ट्स बनाने, जमीन खरीदने, ऑफिस के संचालन में तथा बैंकों एवं होम बायर्स को पैसे वापस करने पर खर्च किए। शर्मा ने बताया कि आम्रपाली ग्रुप ने जुटाई गई रकम से 667 करोड़ रुपए ज्यादा खर्च किए और यह रकम ठेकेदारों को देनी है। उन्होंने आम्रपाली की उन 9 कंपनियों की लिस्ट दी जहां से होमबायर्स के पैसे दूसरी कंपनियों में लगाए गए।

एचडीएफसी बैंक का 'रक्तदान शिविर' कल

मुंबई, 05 दिसम्बर (ए)। एचडीएफसी बैंक 7 दिसंबर को अपने देषव्यापी रक्तदान शिविर का 12वां संस्करण आयोजित कर रहा है। यह अभियान एचडीएफसी बैंक के 'परिवर्तन' का सीएसआर अभियान है। परिवर्तन सामाजिक विकास के कार्यक्रमों के लिए एचडीएफसी बैंक का छत्रवाहक अभियान है। इंडिया इंक के सबसे बड़े एक दिवसीय रक्तदान अभियान में रक्तदान के लिए आगे आने के लिए इस साल ज्यादा से ज्यादा लोगों को आकर्षित एवं प्रेरित किया जा रहा है। 7 दिसंबर के षिविर से पूर्व बैंक ने अपने अभियान प्रारंभ किया है, जिसमें आम लोगों खासकर युवाओं की प्रेरणाप्रद कहानियां बताई जा रही हैं, जो रक्तदान करके अपने समाज के रोल मॉडल बन गए। इससे भारत में खून की उपलब्धता में 1.9 मिलियन यूनिट्स की वार्षिक कमी को पूरा करने में योगदान मिलेगा। मुंबई में मीरा रोड पर रहने वाले 64 वर्षीय ज्योतिंद्र सी मिठानी की कहानी बहुत प्रेरणाप्रद है। पिछले 40 सालों में श्री मिठानी ने 151 बार रक्तदान किया है। उन्होंने पहली बार अपने रक्त का दान 1971 के भारत पाक युद्ध के दौरान किया था, जब हमारे सषस्त्र बलों के लिए खून दान करने की अपील की गई थी। उसके बाद उन्होंने इसे अपने जीवन का उद्देष्य बना लिया ताकि सुरक्षित खून की मांग और उसकी आपूर्ति के बीच की कमी को पूरा किया जा सके। साल में 4 बार रक्तदान करने का उनका प्रेरणाप्रद रिकॉर्ड उनके 65 साल पूरे होने के बाद पूरा हो जाएगा। श्री मिठानी उनकी बड़ी आयु को देखते हुए मेडिकल एडवाईज़री के बाद भी नहीं रुके।

जेट एयरवेज को मुश्किलों से उबारने के लिए आगे आई एतिहाद, कर सकती है नया निवेश

नई दिल्ली 05 दिसम्बर (ए)। आर्थिक संकट से गुजर रही जेट एयरवेज को मुश्किलों से उबारने के लिए एतिहाद एयरवेज आगे आती दिख रही है। रॉयटर्स के मुताबिक संयुक्त अरब अमीरात की एयरलाइन रिस्क्यू प्लान के लिए जेट एयरवेज और उसके बैंकर्स के साथ बातचीत कर रही है। जेट को हाल में डॉमेस्टिक मार्केट की अपनी 14 फ्लाइट कैंसिल करनी पड़ी थीं।

जेट के कैश फ्लो और बिजनेस प्लान पर चर्चा

सूत्रों के मुताबिक एतिहाद और जेट के अधिकारी हाल के दिनों में एयरलाइन के बैंकर्स से मुंबई में मुलाकात कर चुके हैं। उन्होंने कैश फ्लो की दिक्कत और एयरलाइन के फ्यूचर बिजनेस प्लान पर चर्चा की। एतिहाद की जेट एयरवेज में 24 फीसदी हिस्सेदारी है। सूत्रों ने कहा कि अगर स्ट्रक्चर पर सहमति बनती है तो यूएई की कंपनी नई पूंजी के निवेश पर विचार कर सकती है। हालांकि अभी तक किसी डील पर मुहर नहीं लगी है।

मार्केट शेयर के मामले में भारत की सबसे बड़ी फुल सर्विस करियर जेट इन दिनों कैश की भारी तंगी से जूझ रही है। नरेश गोयल द्वारा स्थापित 25 साल पुरानी इस एयरलाइन पर पट्टादाताओं और वेंडर्स का खासा पैसा बकाया है। वह पायलट और वरिष्ठ अधिकारियों को सैलरी देने में खासी देरी कर चुकी है। कंपनी पने नॉन प्रॉफिटेबल रूट्स पर लगातार फ्लाइट्स की संख्या में कटौती कर रही है।

इन वजहों से बढ़ीं जेट की मुश्किलें

हाल के महीनों दुनिया का सबसे तेजी से उभरते एविएशन मार्केट फ्यूल की ऊंची कीमतों, कमजोर होते रुपए और देश में छिड़ी प्राइस वार से जेट एयरवेज की मुश्किलें बढ़ गई हैं। वैसे भी भारतीय बाजार में नो-फ्रिल यानी किफायती सेवा देने वाली एयरलाइंस के वर्चस्व के बीच जेट एयरवेज के लिए टिका रहना मुश्किल हो रहा है।

भारत और यूएस के बीच इस्पात व एल्युमीनियम शुल्क मामले में डब्ल्यूटीओ गठित करेगा आयोग

WORLD TRADE ORGANIZATION

नयी दिल्ली, 05 दिसम्बर (ए)। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) का विवाद निपटान निकाय भारत के आग्रह पर एक आयोग बनाने के लिए सहमत हुआ है। आयोग इस बात का पता लगाएगा कि क्या इस्पात और एल्युमीनियम के कुछ उत्पादों पर अधिक सीमा शुल्क लगाने का अमेरिकी सरकार का कदम वैश्विक व्यापार नियमों का उल्लंघन करता है या नहीं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

भारत ने जिनेवा स्थित डब्ल्यूटीओ से संपर्क कर विवाद आयोग गठित करने का आग्रह किया था। दोनों देशों के डब्ल्यूटीओ की विवाद निपटान प्रणाली के तहत द्विपक्षीय परामर्श प्रक्रिया से मुद्दे का समाधान करने में विफल रहने के बाद यह कदम उठाया गया है। अधिकारी ने कहा कि विवाद निपटान निकाय एक आयोग गठित करने पर सहमत हुआ है। आयोग इस बात का पता लगाएगा कि क्या अमेरिका द्वारा इस्पात और एल्यूमीनियम उत्पादों पर लगाया गया अतिरिक्त शुल्क डब्ल्यूटीओ नियमों के अनुरूप है?''

डब्ल्यूटीओ में विचार-विमर्श विवाद निपटान प्रक्रिया का पहला कदम है। अगर दोनों देश बातचीत के जरिये मसले का समाधान नहीं कर पाते हैं, तब एक देश डब्ल्यूटीओ विवाद निपटान समिति से मामले की समीक्षा के लिये आग्रह कर सकता है। इन उत्पादों पर अमेरिका द्वारा अधिक दर से आयात शुल्क लगाने से भारतीय कंपनियों के निर्यात पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। भारत ने आरोप लगाया है कि अमेरिका का कदम वैश्विक व्यापार नियमों के अनुरूप नहीं है।

एलएंडटी की निर्माण शाखा को 2,106 करोड़ रुपये के ठेके मिले

नयी दिल्ली, 05 दिसम्बर (ए)। लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) की निर्माण शाखा को घरेलू बाजार में विभिन्न कारोबारी क्षेत्रों से कुल 2,106 करोड़ रुपये के ठेके मिले हैं। कंपनी ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। एलएंडटी ने शेयर बाजार को बताया कि उसके जल एवं अपशिष्ट उपचार कारोबार को 1,954 करोड़ रुपये जबकि एलएंडटी जियो स्ट्रक्चर कारोबार को 152 करोड़ रुपये के ठेके मिले हैं। कंपनी ने कहा कि जल एवं अपशिष्ट उपचार कारोबार को आंध्र प्रदेश राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एपी सीआरडीए) से डिजाइन और निर्माण का ठेका मिला है। इसके अलावा, कारोबारी शाखा को झारखंड अर्बन इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड (जेयूआईडीसीओ) से भी ठेका मिला है।

सोना 100 रुपए महंगा, चांदी 140 रुपए लुढ़की

नई दिल्ली 05 दिसम्बर (ए)। विदेशी बाजारों में दोनों कीमती धातुओं की चमक फीकी पडऩे के बावजूद कम भाव पर आयी जेवराती ग्राहकी से दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना बुधवार को 31,950 रुपए प्रति दस ग्राम पर पहुंच गया। इस दौरान औद्योगिक ग्राहकी आने की सुस्ती से हालांकि चाँदी की चमक फीकी पड़ गयी और यह 140 रुपए की फिसलकर 37,600 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई। दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में डॉलर के मजबूत होने से विदेशी बाजारों में पीली धातु पर दबाव बढ़ा है। लंदन का सोना हाजिर आज 3.40 डॉलर की गिरावट के साथ 1,234.95 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। फरवरी का अमेरिकी सोना वायदा भी 6.50 डॉलर की गिरावट में 1,240.10 डॉलर प्रति औंस बोला गया। बाजार विश्लेषकों के मुताबिक डॉलर के मजबूत होने के निवेशकों का रुझान सुरक्षित निवेश में घटा है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में चाँदी आज 0.07 डॉलर की गिरावट के साथ 14.44 डॉलर प्रति औंस पर आ गई।

डाबर च्यवनप्राश ने देश भर में मेगा जागरूकता पहल की शुरूआत की

भोपाल, 05 दिसम्बर (ए)। सर्दी का मौसम किसे अच्छा नहीं लगता लेकिन जब इस सर्दी में खांसी, जुकाम एवं श्वांस संबंधी बीमारियाँ हो जायें तो सर्दी का मजा फीका पड़ जाता है। आमतौर पर ये बीमारियाँ तापमान में होने वाले बड़े बदलाव एवं बदलते मौसम में किसी भी व्यक्ति के शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता के कम हो जाने के कारण होती हैं। ऐसे में हजारों वर्षों से प्रसिद्ध, लाखों-करोड़ों लोगों द्वारा सफलतापूर्वक आजमाया हुआ आयुर्वेदिक उत्पाद च्यवनप्रास काफी राहत देता है। डाबर च्यवनप्राश का सेवन न केवल हमारी रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर हमें इस सीजन में प्रायः होने वाली खांसी, जुकाम जैसी बीमारियों से बचाता है बल्कि हमारे शरीर के अनेक अंगों की क्रियाओं को अच्छा करता हुआ शरीर को बलशाली भी बनाता है। डाबर का प्रमुख हेल्थकेयर ब्रांड डाबर च्यवनप्राश ने देश भर में स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित बच्चों को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से एक मेगा जागरूकता पहल की शुरूआत की घोषणा की। इस पहल के तहत, डॉ. परमेश्वर अरोड़ा, एमडी (ए.वाई.) बीएचयू वाराणसी स्वर्ण पदक विजेता और वरिष्ठ सलाहकार- सर गंगा राम अस्पताल-दिल्ली -के साथ मिलकर डाबर च्यवनप्राश ने परिवर्तनशील मौसम, सामान्य बैक्टीरिया और वायरस से लड़ने के लिए एक मजबूत प्रतिरक्षा प्रणाली बनाने की आवश्यकता पर बच्चों को शिक्षित करने के लिए प्रतिरक्षा सत्र आयोजित किया। आज इस अभियान को भोपाल में आरुषि संस्था के 200 से अधिक बच्चों के लिए आयोजित एक विशेष सत्र के साथ शुरू किया गया। इस सत्र का उद्देश्य सर्दियों में बीमारी से लड़ने के लिए बच्चों के बीच जागरूकता पैदा करना था। बच्चों को बुनियादी

स्वच्छता और पौष्टिक आहार के माध्यम से अपनी प्रतिरक्षा को बढ़ावा देने के तरीकों में भी शिक्षित किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए, डाबर इंडिया लिमिटेड के मैनेजर कॉर्पोरेट कम्युनिकेशंस -श्री दिनेश कुमार ने कहा डाबर च्यवनप्राश 100 से अधिक वर्षों से हर भारतीय को सबसे मजबूत प्रतिरक्षा प्राप्त करने में मदद के लिए प्रतिबद्ध है। यह पहल इस प्रतिबद्धता की दिशा में एक छलांग है। हम शीत लहर के बारे में चिंतित हैं जो हर साल कई जान ले लेती है। इस पहल के माध्यम से, हम इन बच्चों को च्यवनप्राश प्रदान करने के अलावा प्रतिरक्षा के महत्व को उजागर करके वंचित बच्चों को सुरक्षा प्रदान करने का प्रयास करेंगे।

इस अभियान के तहत, डाबर च्यवनप्राश भारत के 12 शहरों लखनऊ, वाराणसी, अमृतसर, जयपुर, अहमदाबाद, कोलकाता, पटना, भोपाल, रायपुर, पुणे, नागपुर और चंडीगढ़ के अग्रणी गैर सरकारी संगठनों के साथ हाथ मिला चुके हैं।

मौसम परिवर्तन के चक्रों के दौरान अचानक तापमान परिवर्तन होता है, जो खांसी, ठंड और फ्लू जैसे संक्रमण और बीमारियों का कारण है। सर्दी और खांसी, श्वसन समस्याओं, अल्प प्रतिरक्षा जैसी बीमारियों से लड़ने का एक प्रभावी तरीका प्रतिरक्षा में वृद्धि है। डाबर च्यवनप्राश हमारी अंदरूनी प्रतिरक्षा आवश्यकताओं को बढ़ाने का एक प्रभावी समाधान है।

च्यवनप्राश लगभग 3000 वर्ष पुरानी प्रसिद्ध आयुर्वेदिक फॉर्मूलेशन है, जो प्रतिरक्षा को बढ़ावा देने के लिए प्रयोग किया जाता है और खांसी और सर्दी जैसे दैनिक संक्रमण के खिलाफ प्रतिरोध प्रदान करता है। डाबर च्यवनप्राश का मुख्य घटक अमला है जो प्रतिरक्षा वर्धक गुणों के लिए जाना जाता है। गुडुची, पिपाली, शतावरी, विदरिकंद, हरितकी, कंटकारी, ककादाशीनी, भुम्यामाकी, वसाका, पुष्करमुल, प्रिशिपिपर्नी, शालपर्नी आदि जैसे अन्य तत्व सामान्य संक्रमण और श्वसन तंत्र की एलर्जी को कम करने में मदद करते हैं। डाबर च्यवनप्राश इन जड़ी बूटियों और अवयवों का सही मिश्रण है जो सर्दियों के मौसम में बेहतर स्वास्थ्य के लिए प्रतिरोधक शक्ति प्रदान करता है। डाबर इंडिया के बारे में: डाबर इंडिया लिमिटेड भारत की अग्रणी एफएमसीजी कंपनियों में से एक है। 134 वर्षों से गुणवत्ता और अनुभव की विरासत पर निर्मित, डाबर आज भारत का सबसे भरोसेमंद नाम और दुनिया की सबसे बड़ी आयुर्वेदिक और नेचुरल हेल्थ केअर कंपनी है।